पाक्षिक



खबर आस पास

खबर आस पास RNI REGISTERED

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

युवा सपनों को साकार करने के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

'सपनों की उड़ान-असंभव कुछ भी नहीं': सामर्थ्यवान, संस्कारवान, ऊर्जावान, नशामुक्त युवा विकसित भारत की यात्रा के सच्चे सारथी





युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रहा 'माय भारत'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'माय भारत' प्लेटफॉर्म युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। राजस्थान में इस प्लेटफॉर्म पर 26 लाख से अधिक युवा पंजीकृत हैं तथा 1 हजार 700 से अधिक संस्थाएं इससे जुड़ी हुई हैं। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी नशामुक्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। 350 से अधिक महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 'नई किरण' नशामुक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। 'राज सवेरा' के तहत जिला चिकित्सालयों में नशामुक्ति वार्ड स्थापित किए जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेकर असंभव को संभव करें युवा
- संकल्प, अनुशासन, परिश्रम, नवाचार से युवा हासिल करें अपना मुकाम
- मुख्यमंत्री ने किया युवाओं से संवाद, अनुभव किये साझा, सुझाव भी लिये
- युवाओं से किया राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का किया आह्वान

जयपुर, कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामर्थ्यवान, संस्कारवान, नशामुक्त युवा ही विकसित भारत यात्रा के सच्चे सारथी हैं। उन्होंने अष्टमी और महानवमी के पावन अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संकल्प, अनुशासन, परिश्रम, नवाचार से युवा अपना अलग मुकाम हासिल करें, युवा सपनों को पूरा करने के लिए सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

सरकार की नीतियां और फैसले भर रहे युवा सपनों में रंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री युवा सुयोग पोर्टल शुरू किया है, साथ ही नेतृत्व और नवाचार की भावना विकसित करने के लिए राजस्थान युवा नीति लागू की है। राज्य कौशल नीति-2025 के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अब तक 3 लाख 70 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। 144 राजकीय आईटीआई में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं तथा 21 नवीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज और 76 नए राजकीय महाविद्यालय स्थापित किए गए हैं। सरकार 220 सरकारी कॉलेज भवनों का निर्माण कर चुकी है। प्रदेश में 5 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत किए गए हैं तथा 65 आईस्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत चार लाख लाभार्थियों को 1,643 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

युवाओं ने जताया मुख्यमंत्री का आभार—

कार्यक्रम में युवाओं ने युवा नीति एवं युवाओं के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। पैरा खिलाड़ी विक्रम कुमार मीणा ने आउट ऑफ टर्न नियुक्ति, शिवम वैष्णव ने आई-स्टार्ट योजना से मिले लाभ, मनीषा गोस्वामी ने सहायता राशि, निकिता ने टेली-मानस मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन तथा हीरालाल महावर ने नशामुक्ति के लिए नई किरण योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। माय भारत वॉलेंटियर अद्रिता सिंह एवं दृष्टिबाधित युवा सचिन सिंह जादौन ने कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया।

मुख्यमंत्री ने उद्बोधकों की सराहना करते हुए उनके आत्मविश्वास एवं प्रस्तुति की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को 'सपनों की उड़ान-असंभव कुछ भी नहीं' कार्यक्रम के तहत युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि युवाओं को दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपनी संकल्प शक्ति से अनेक असंभव माने जाने वाले कार्यों को संभव किया है। उनके नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं में ऊर्जा, नवाचार, कुछ नया करने का जुनून और असंभव को संभव बनाने का साहस है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने युवाओं की क्षमताओं को अवसरों में बदलने के लिए स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहल की हैं। इनसे नवाचार, उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है तथा युवाओं के लिए अवसरों का नया इकोसिस्टम तैयार हुआ है।

पेपरलीक पर लगाई लगाम, पारदर्शी तरीके से हो रहीं भर्तियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अब तक पेपरलीक के 569 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, 410 परीक्षाएं बिना पेपरलीक के आयोजित की गई हैं। प्रदेश में 1 लाख 93 हजार पदों पर सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा 5 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए 17 नए खेलो इंडिया केंद्र शुरू किए गए हैं। सभी 41 जिला मुख्यालयों पर 'एक जिला, एक खेल' योजना के तहत खेल अकादमियां संचालित की जा रही हैं तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान विकसित करने की घोषणा भी की गई है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम भी लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के 'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए' के संदेश को जीवन का मूलमंत्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दें।

इस दौरान नशा मुक्ति पर आधारित नाटिका का मंचन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, खिलाड़ी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट एवं अन्य क्षेत्रों के युवा उपस्थित रहे।

थरूर बोले- भारत न बांग्लादेश, न ही फ्रांस

तुलना गलत, हमारा सरकार गिराना टारगेट नहीं; रिजिजू बोले थे- विपक्ष साजिश रच रहा



नई दिल्ली एजेन्सी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के सत्ता परिवर्तन कराने के आरोपों का जवाब दिया। थरूर ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत बांग्लादेश नहीं है और भारत फ्रांस भी नहीं है। मुझे ये तुलना खास तौर पर प्रासंगिक नहीं लगती। हम फ्रांस में हुई बसों और पुलिस स्टेशनों को आग लगाने जैसी किसी भी हिंसा को कभी सही नहीं ठहराएंगे। हम केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन में विश्वास करते हैं। मैंने भी इसी तरह के प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है और मेरा मानना है कि विपक्ष भी सामान्य तौर पर इसी का समर्थन करता है। जहां तक बड़े मुद्दों की बात है, 'रिजीम चेंज' जैसे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का कोई मतलब नहीं है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। दरअसल एक दिन पहले रिजिजू ने विपक्ष पर आरोप लगाया था कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। उन्होंने ङ्क पर लिखा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं।

थरूर बोले- लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं

थरूर ने कहा कि लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं है। हम भारत के आम नागरिक इसके संरक्षक हैं। हर भारतीय नागरिक को अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का अधिकार है। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि हम चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं से अपेक्षा कर रहे हैं कि वे जिम्मेदारी से काम करें। भारत के लोकतांत्रिक संविधान के तहत उन्हें जो करना चाहिए, वही करें। बस इतना ही। मैं किसी भी तरह से इन संस्थाओं को चुनौती नहीं दे रहा हूं। मैं उनके काम करने के तरीके और उनके आचरण पर सवाल उठा रहा हूं। और ईमानदारी से कहूं तो भारत में हम सभी को इस पर चिंता करनी चाहिए। '

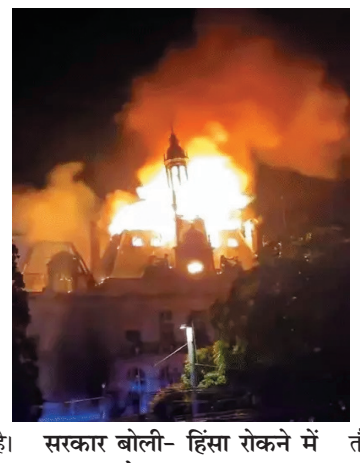
थरूर बोले- हमारी सिर्फ एसआईआर प्रोसेस को वापस लेने की मांग

आज चिंता की बात यह है कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से एक बेहद परेशान करने वाली, अनियमित और आंशिक रूप से अवैध प्रक्रिया के कारण हटाए गए हैं। इसलिए हम इस पूरी प्रक्रिया को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। यह संवैधानिक मुद्दा है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले- तोड़फोड़ करने वालों को कीमत चुकानी होगी

कुछ शहरों में कर्फ्यू लगाने की तैयारी, पीएम बोले- जरूरत पड़ी तो इमरजेंसी भी लगाएंगे

नई दिल्ली एजेन्सी। फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुई हिंसा और लूटपाट को लेकर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने रविवार रात अपने संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को सरकार की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इसके बाद उन्होंने सोमवार शाम से कुछ इलाकों में आंशिक कर्फ्यू लगाने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश में आपातकाल भी लगाया जा सकता है।



सरकार बोली- हिंसा रोकने में नाकाम रहे

फ्रांस सरकार ने सोमवार को माना कि वह वीकेंड पर हुई हिंसा को रोकने में नाकाम रही। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने सरकारी रेडियो पर अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि शनिवार रात हुए दंगों के बड़े पैमाने से निपटने के लिए पुलिस की तैयारी पर्याप्त नहीं थी।

उन्होंने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को इस्तीफे की पेशकश भी की थी, लेकिन राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार नहीं किया। न्याय मंत्री जेराल्ड दारमानिन ने भी माना कि हिंसा के सामने प्रशासन साफ तौर पर नाकाम रहा। उन्होंने फ्रांसीसी टीवी पर कहा कि खुफिया तंत्र भी हिंसा का पहले से सही अंदाजा लगाने में विफल रहा।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस, एक दोषी की फांसी पर रोक

18 साल पहले 70 मिनट में हुए थे 21 धमाके, 56 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली एजेन्सी। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने तनवीर की याचिका पर सुनवाई की। तनवीर ने गुजरात हाईकोर्ट के 7 जुलाई के फैसले को चुनौती दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को सुनाए अपने फैसले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी।

26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में करीब 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे। इन हमलों में 56 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे।



7 जुलाई, 2026 को गुजरात हाईकोर्ट ने सुनाई थी फांसी की सजा

इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। विशेष अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया था। इसके साथ ही कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए।

मणिपुर में चौबीस घंटे में 4 लोगों की हत्या : मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

इंफान एजेन्सी। मणिपुर में चौबीस घंटे में हिंसा की दो घटनाओं में 4 लोगों की हत्या कर दी गई। रविवार रात दो थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया।

दूसरी घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं।

लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे

घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उयोक में हुई। यह इम्फाल ईस्ट के



नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है।

सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51), क्षेत्रिमायुम सुशील(32) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे। इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। घटना में घायल लोगों में क्ष देवन की हालत गंभीर है।

पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

गुस्साए स्थानीय लोग शवों को राज्य की राजधानी इम्फाल ले आए। उन्होंने बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेट के बाहर शव रख दिए।

स्थानीय लोगों ने मई 2023 से राज्य में जारी हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह आवास पर मौजूद थे या नहीं, यह तुरंत पता नहीं चल सका।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़े। इसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (JNIMS) ले जाया गया।

16 साल की भांजी के साथ सगे-मामा ने किया रेप: काम के बहाने घर ले गया था, विरोध करने पर डराया-धमकाया

जयपुर कासं। जयपुर में एक कलयुगी मामा के नाबालिग भांजी से रेप करने का मामला सामने आया है। वह काम के बहाने नाबालिग भांजी को अपने घर ले गया था। विरोध करने पर नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ दरिंदगी की। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी मामा को अरेस्ट किया है।

मामा ने सगी भांजी के साथ की दरिंदगी

थानाधिकारी ने बताया- जयपुर में रहने वाली 16 साल की लड़की से रेप हुआ है। उसके सगे मामा पर नाबालिग भांजी ने रेप का आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त-2026 में मामा उनके घर आया। काम के बहाने भांजी को अपने घर ले गया। दो दिन घर पर भांजी के रहने पर उसके साथ दरिंदगी की। विरोध करने पर आरोपी मामा की ओर से नाबालिग को डराया-धमकाया गया। वापस घर लौटने पर पीड़िता ने अपने परिजनों को कलयुगी मामा की करतूत के बारे में बताया। नाबालिग बेटी की आपबीती सुनाने के बाद गुस्साएं परिजनों ने थाने जाकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता के बयान व मेडिकल करवाकर पोक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी मामा को अरेस्ट कर लिया।

रावण से आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं नौनिहाल बच्चे, आशीर्वाद के साथ मिलती हैं ट्रॉफियां

आहूजा परिवार की तीसरी पीढ़ी के के. कुमार आहूजा इस बार लगातार 24वें साल बनेंगे रावण, दादा माधवदास ने 23 साल, चाचा शिवाजी आहूजा 25 साल और अब के कुमार आहूजा 23 सालों से बन रहे हैं रावण, के कुमार आहूजा की पत्नी को भी पड़ोसी अब मंदोदरी भाभी के नाम से बुलाते हैं

बीकानेर (खबर आस पास)। एक ओर जहां लोग दशानन रावण को अधर्मी मानते हैं वहीं बीकानेर शहर के लोग रावण से अपने नौनिहालों को आशीर्वाद दिलाने के लिए उसके पास लेकर जाते हैं। रावण उन्हें आशीर्वाद के साथ साथ टाफियां देते हुए कहता है, सदैव अपने माता-पिता का कहना मानना। रावण से आशीर्वाद लेने के लिए लोग दशहरे के दिन सड़कों पर खड़े रहेंगे। वे इस दिन बीकानेर दशहरा कमेटी के बैनर तले निकलने वाली झांकियों में शामिल रावण से अपने नौनिहालों को आशीर्वाद दिलवाएंगे। इन झांकियों में इस बार लगातार 24वीं बार रावण की भूमिका में नजर आएंगे रंगकर्मी के कुमार आहूजा। आहूजा परिवार की यह तीसरी पीढ़ी हैं जो रावण का किरदार निभा रही हैं। आहूजा परिवार इस बार लगातार 72वीं बार रावण की भूमिका में नजर आएगा। के कुमार आहूजा के दादा माधवदास सबसे पहले 23 साल तक रावण के किरदार में नजर आए। उसके बाद चाचा शिवाजी आहूजा 25 साल तक और अब इस साल लगातार 24वीं बार के कुमार आहूजा रावण के रूप में नजर आएंगे।

दादा से शुरू हुई परंपरा, चाचा ने आगे बढ़ाई विरासत

आहूजा परिवार में रावण की भूमिका निभाने की शुरुआत स्वर्गीय माधव दास आहूजा ने की थी। उन्होंने लगातार 23 वर्षों तक इस किरदार को निभाकर अपनी अलग पहचान बनाई। इसके बाद दूसरी पीढ़ी में पूर्व आयकर अधिकारी शिवाजी आहूजा ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और 25 वर्षों तक रावण की भूमिका निभाई। दो पीढ़ियों के लंबे अभिनय सफर के बाद अब तीसरी पीढ़ी के कुमार आहूजा इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पिछले 23 वर्षों से रावण का किरदार निभा रहे हैं। इस तरह तीन पीढ़ियों का यह सफर दशहरा उत्सव से जुड़ी कला, पारिवारिक लगाव और निरंतरता की मिसाल बन गया है।

खास हंसी और अभिनय से बनाते हैं अलग पहचान



पत्रकार, रंगकर्मी और एंकर कुमार आहूजा रावण के किरदार को केवल वेशभूषा तक सीमित नहीं रखते, बल्कि अपनी खास और प्रभावशाली हंसी तथा अभिनय से उसे विशिष्ठ अंदाज देते हैं। दशहरा झांकी के दौरान शहर के परकोटे में निकलते समय वे नन्हे बच्चों को आशीर्वाद देते हैं और उन्हें टॉफियां, बिस्किट तथा प्रसाद बांटते हैं। उनके किरदार में रावण की भव्यता के साथ बच्चों के प्रति खेह का भाव भी दिखाई देता है। यही वजह है कि झांकी के दौरान बच्चे और परिवार उन्हें उत्सुकता से देखते हैं। अभिनय के माध्यम से पौराणिक पात्र को जीवंत करना और दर्शकों से जुड़ाव बनाना उनकी प्रस्तुति का अहम हिस्सा है। जय नारायण व्यास कॉलोनी के सेक्टर नंबर 5 में रहने वाले कुमार आहूजा के परिवार की पहचान भी इस किरदार से जुड़ गई है। उनकी पली को लोग 'मंदोदरी भाभी' कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन बताता है कि रावण का किरदार निभाने की परंपरा किस तरह कलाकार की व्यक्तिगत पहचान से आगे बढ़कर परिवार और आसपास के लोगों के बीच भी जगह बना चुकी है। किसी पात्र को वर्षों तक निभाने के लिए केवल अभिनय कौशल ही नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, लगाव और समर्पण भी जरूरी होता है।

अंतिम इच्छा रावण के रूप में राम के हाथ में निकले दम

रामभक्ति से जुड़ी अपने अभिनय सफर के बारे में रूबरू बातचीत के दौरान के कुमार आहूजा ने बताया कि वे जीवन के 68 वसंत देख चुके हैं। उनकी इच्छा है कि जीवन में एक बार भगवान श्रीराम के साथ युद्ध के प्रसंग में अभिनय करने का अवसर मिले और वे इस भूमिका को निभाते हुए अपने प्राण उनके चरणों में अर्पित कर सकें। उनकी बातों में अपने किरदार के प्रति लगाव के साथ रामभक्ति का भाव भी झलकता है।

50 किलो टॉफियां बांटते हैं झांकी में

रावण बने के कुमार आहूजा झांकी के दौरान पूरे रास्ते में करीब 50 किलो टॉफियां बांटते हैं। वे बताते हैं कि 40 किलो टॉफियां ले कर वे रवाना होते हैं। इसके अलावा करीब 10 किलो रास्ते में लोगों द्वारा प्रसाद के रूप में चढ़ावे में आ जाती है। सब में से एक टॉफी वे खुद खाते हैं बाकी सारी रास्ते में खड़े लोगों को बांट देते हैं।

पंचायत चुनाव में जाति के गणित पर भारी पडऩे लगा विकास और भरोसे का सवाल

बीकानेर (खबर आस पास)। गांव की चौपाल पर जब पंचायत चुनाव की चर्चा छिड़ती है,तो बात केवल किस जाति का कितना समर्थन है,इस पर आकर नहीं ठहरती। उम्मीदवार कौन है,गांव के लोगों के बीच उसकी छवि कैसी है,उसने समस्याओं के समय कितनी भागीदारी निभाई और गांव के विकास को लेकर उसकी समझ क्या है...ऐसे सवाल भी चुनावी चर्चा का हिस्सा बनते हैं। ग्रामीण राजनीति में जातिगत समीकरण अब भी महत्वपूर्ण हैं,लेकिन उनके साथ व्यक्तिगत भरोसे और विकास की अपेक्षाओं का संतुलन उम्मीदवारों के सामने नई चुनौती खड़ी करता है।पंचायत चुनाव की खासियत यह है कि यहां मतदाता उम्मीदवार को केवल राजनीतिक पहचान से नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार और स्थानीय संबंधों के आधार पर भी परख सकते हैं। गांव में रहने, सामाजिक आयोजनों में भागीदारी विवादों के समय भूमिका और आम लोगों तक पहुंच जैसे पहलू किसी उम्मीदवार की छवि बनाने में अहम होते हैं। यही वजह है कि चुनावी मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटाने के साथ लोगों का विश्वास बनाए रखना भी जरूरी हो जाता है।

जातिगत समीकरण आधार, लेकिन जीत का अकेला पैमाना नहीं

ग्रामीण क्षेत्रों में जातिगत पहचान, सामाजिक रिश्ते और पारिवारिक संपर्क चुनावी रणनीति को प्रभावित करते हैं। कई बार यही समीकरण उम्मीदवार को शुरुआती समर्थन दिलाने में मदद करते हैं। इसके बावजूद गांव की जरूरतों और स्थानीय समस्याओं को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। पेयजल संकट,क्षतिग्रस्त सडक़ें,सफाई,शिक्षा,स्वास्थ्य सुविधाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ ऐसे मुद्दे हैं,जिनका असर सीधे ग्रामीण परिवारों पर पड़ता है। मतदाता इन समस्याओं के समाधान को लेकर उम्मीदवार की गंभीरता और उसकी कार्यक्षमता का आकलन कर रहे हैं।

पुराने चेहरों की पहचान बनाम नए उम्मीदवारों की उम्मीद

स्थानीय राजनीति में लंबे समय से सक्रिय उम्मीदवारों के पास परिचय, संपर्क और पुराने संबंधों का आधार होता है,लेकिन उनके सामने अपने कामकाज और उपलब्धियों को लेकर सवालों का जवाब देने की चुनौती भी रहती है। दूसरी ओर,नए उम्मीदवार बदलाव, नई सोच और बेहतर जनसंपर्क के भरोसे मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि,केवल नया चेहरा होना स्वीकार्यता की गारंटी नहीं है। ग्रामीणों के बीच विश्वसनीयता कायम करने और अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करने के बाद ही कोई उम्मीदवार प्रभावी चुनौती पेश कर सकता है।

चौपालों की चर्चा में स्थानीय जरूरतों का हिसाब

चुनावी चर्चाओं में गांव की बुनियादी सुविधाओं के साथ भविष्य की जरूरतें भी जगह बना सकती हैं। युवाओं के लिए रोजगार, खेल मैदान और डिजिटल सुविधाएं महत्वपूर्ण हैं,जबकि किसानों और ग्रामीण परिवारों की अपेक्षाएं,पानी,सडक़,बिजली और सरकारी योजनाओं से जुड़ी हो सकती हैं। इन प्राथमिकताओं का महत्व गांव और परिवार के अनुसार बदलता है। ऐसे में उम्मीदवारों के लिए एक जैसे वादे दोहराने के बजाय स्थानीय समस्याओं को समझना और उनके समाधान की स्पष्ट दिशा सामने रखना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

चुनावी चर्चा के पांच प्रमुख आधार
-जातिगत समर्थन और सामाजिक संबंधों का प्रभाव।
-उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि और लोगों तक पहुंच।
-पुराने कामकाज, अधूरे वादे और जवाबदेही।
-पेयजल, सडक़, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति।
-नए चेहरों की कार्ययोजना और ग्रामीणों के बीच स्वीकार्यता।

सोते हुए मजदूर पर चढ़ा पानी से भरा टैंकर, मौत

मिल के अंदर सूख रही ऊन पर आराम कर रहा था,सिर बुरी तरह कुचला

बीकानेर। शहर के एक ऊन मिल में दर्दनाक हादसा हो गया। रविवार रात काम के बाद थकान के चलते एक मजदूर आराम करने के लिए खुले में पड़ी ऊन पर ही सो गया। सोमवार सुबह करीब 8 बजे पानी से भरा एक टैंकर वहां से गुजरा और मजदूर के ऊपर से निकल गया। टैंकर की चपेट में आने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका शरीर बुरी तरह कुचल गया और घटनास्थल पर खून फैल गया। हादसे के बाद मजदूर का शव पीबीएम की मोर्चरी में रखवाया गया है। यह हादसा कोटगेट थाना क्षेत्र स्थित रानीबाजार इंडस्ट्रीयल एरिया की गली नंबर 7 में एक ऊन मिल का है। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान नंदू सिंह भाटी (40) पुत्र जयराम सिंह भाटी, निवासी रीको रोड नंबर 8,गंगाशहर के रूप में हुई है। वह रानीबाजार की गली नंबर 7 स्थित सुराणा टैक्सटाइल फैक्ट्री में मजदूरी करता था।

जीतो बीकानेर चैप्टर की साधारण सभा में नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष रिद्धकरण सेठिया का सर्वसम्मति से चयन, निवर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान

बीकानेर (खबर आस पास)। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बीकानेर चैप्टर की साधारण सभा की बैठक हंसा गेस्ट हाउस में हुई। बैठक में विगत कार्यकाल के दौरान चैप्टर के विकास, संगठनात्मक गतिविधियों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए निवर्तमान अध्यक्ष जयचंद लाल डागा, निवर्तमान सचिव पुनेश मुसरफ तथा उपाध्यक्ष कुनाल कोचर,नव निर्वाचित पार्षद नवरतन डागा व नए सदस्यों का सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उनके कार्यकाल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। बैठक में आगामी सत्र 2026-28 के लिए नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया संपन्न हुई। जीतो के वरिष्ठ सदस्य अनंत वीर जैन ने अध्यक्ष पद के लिए रिद्धकरण सेठिया के चयन का प्रस्ताव रखा, जिसका अनुमोदन चंपक सुराणा ने किया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने प्रस्ताव का सर्वसम्मति से समर्थन किया। इसके पश्चात बीकानेर के पूर्व महापौर एवं जीतो बीकानेर चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष नारायण चोपड़ा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित होने की घोषणा की। बैठक में संगठन की एकता, आपसी सहयोग, सामाजिक सरोकारों तथा व्यापार एवं उद्योग जगत में जैन समाज की सक्रिय भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।

बीकानेर के बंगाली मंदिर में दुर्गा अष्टमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पारंपरिक रीति-रिवाजों से हुई मां दुर्गा की आराधना

बीकानेर (खबर आस पास)। कोलकाता से आए पंडित काजोल चक्रवर्ती ने विधि-विधान से करवाए अनुष्ठान, लाल पार वाली साड़ियों में सोलह शृंगार कर पहुंचीं महिलाएं; शंख वादन प्रतियोगिता, धुनी पूजा और महाआरती ने बांधा समां बीकानेर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर बीकानेर के बंगाली मंदिर में सोमवार को दुर्गा अष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और बंगाली संस्कृति की पारंपरिक छटा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना, पारंपरिक अनुष्ठान, शंख वादन प्रतियोगिता, धुनी पूजा, महाआरती और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिर परिसर मां दुर्गा के जयकारों और शंख ध्वनि से गूंज उठा। बंगाली समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।





सुबह बलि के साथ हुई कार्यक्रमों की शुरुआत

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर बंगाली मंदिर में सुबह धार्मिक परंपरा के अनुसार बलि अनुष्ठान के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इसके बाद मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाए गए। पूजा के लिए कोलकाता से आए पंडित काजोल चक्रवर्ती ने बंगाली परंपरा के अनुसार विधि-विधान से धार्मिक कार्यक्रम संपन्न करवाए।

पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को कमल के फूल अर्पित किए तथा विभिन्न प्रकार के फलों का भोग लगाया। भक्तों ने मां के समक्ष शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया और दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही।

लाल पार वाली साड़ियों में पहुंचीं महिलाएं

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर बंगाली समुदाय की महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक लाल पाड वाली साड़ियां पहनकर सोलह शृंगार के साथ मंदिर पहुंचीं। लाल किनारी वाली सफेद साड़ियों में सजी महिलाओं ने बंगाली संस्कृति और परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। महिलाओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की। पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक आस्था और उत्साह से मंदिर परिसर में विशेष आकर्षण देखने को मिला। महिलाओं ने एक-दूसरे को दुर्गा अष्टमी की शुभकामनाएं दीं और पूरे श्रद्धाभाव से धार्मिक आयोजनों में भाग लिया।

महिलाओं और पुरुषों के बीच शंख वादन प्रतियोगिता

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर मंदिर में बलिदान की परंपरा निभाई गई और शंख वादन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शंख की गूंज से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो गया। बंगाली परंपरा में धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान शंख वादन का विशेष महत्व है। प्रतियोगिता के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। शंख ध्वनि के बीच मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। इस आयोजन ने धार्मिक कार्यक्रमों में उत्साह के साथ बंगाली समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं को भी जीवंत बनाए रखा।

महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर लिया भाग

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर मंदिर पहुंचीं महिलाओं में पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। महिलाएं हाथों में मेहंदी लगाकर तथा पारंपरिक बंगाली परिधान पहनकर धार्मिक आयोजनों में शामिल हुईं। सोलह शृंगार किए महिलाओं की उपस्थिति ने उत्सव की रौनक बढ़ा दी। महिलाओं ने सामूहिक रूप से मां दुर्गा की आराधना की और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी आस्था व्यक्त की। पूरे दिन मंदिर में भक्ति, उल्लास और पारंपरिक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला।

दोपहर में श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद

मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से पूरी-सब्जी और चटनी तैयार की गई। मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद वितरण के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक आयोजनों में शामिल होने आए लोगों ने मां दुर्गा के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण कर सुख-समृद्धि की कामना की।

महाआरती के बाद हुई पारंपरिक धुनी पूजा

शाम को मां दुर्गा की महाआरती का विशेष आयोजन किया गया। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की और जयकारे लगाए। इसके पश्चात बंगाली परंपरा के अनुसार धुनी पूजा आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धुनी पूजा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया। शंख ध्वनि, आरती और मां दुर्गा के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की।

बंगाली संस्कृति और धार्मिक आस्था का दिखा संगम

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर बंगाली मंदिर में सुबह से शाम तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक पूजा-पद्धति, लाल पार वाली साड़ियों में सजी महिलाओं, शंख वादन प्रतियोगिता, धुनी पूजा, महाआरती और प्रसाद वितरण ने पर्व को विशेष बना दिया।

नवरात्र के दौरान बंगाली समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला दुर्गा पूजा उत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का भी प्रतीक है। बीकानेर के बंगाली मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बंगाली समुदाय ने अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को उत्साहपूर्वक जीवंत रखा। दिनभर चले धार्मिक आयोजनों के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रही और पूरा वातावरण मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर नजर आया।

डांडिया रास की मस्ती में झूमा सुदर्शना नगर, ढेरों पुरस्कार मिले



बीकानेर (खबर आस पास)। सुदर्शना नगर महिला विकास समिति के तत्वावधान में शहीद भंगत सिंह पार्क में मां नागणेचीजी नवरात्रा डांडिया उत्सव में रंग बिरंगी परिधान में महिलाओं और युवतियों ने डांडिया खनकाए और गरबा किया। इस दौरान पूरा पार्क मानो एक मंच बन गया। पार्क के हर कोने में डांडिया की मस्ती थी।समिति की पूजा देवडा ने बताया कि सर्वप्रथम मां की पूजा अर्चना के बाद महा आरती व धार्मिक अनुष्ठान हुआ। डांडिया का शुभारम्भ अतिथि अनुराधा सोनी, कमला जांगिड, संगीता डागा, ज्योति विजयवर्गीय, राजकुमारी सेवग ने मंच पर डांडिया खेल कर किया। समिति की आशा जांगिड ने बताया गणेश वंदना के बाद गर्विता उपाध्याय ने मां दुर्गा रूप में नृत्य किया। समिति की चन्द्रकला सेवग ने बताया की बेस्ट ड्रेस में प्रथम भानू प्रिया द्वितीय पारूल शर्मा रहीं। बेस्ट हेयर स्टाइल में सिद्धि शर्मा प्रथम और द्वितीय पूजा देवडा रहीं। बेस्ट गुप्र में उर्मिला पाल एंड गुप्र रहा। बेस्ट कपल में गौरव एवं पूजा शर्मा रहे। समिति की नीता शर्मा ने बताया कि डांडिया रसिक अवार्ड में मीनाक्षी राठौड को नकद 1100 रुपए, पवन शर्मा को 700 का और लक्षित सेवग को 500 का नकद पुरस्कार मिला। 7 अन्य गिफ्ट भी दिए गए। समिति की रिकी शर्मा ने बताया कार्यक्रम के निर्णायक नारी शक्ति संस्था की मधु खत्री और कविता थी।संचालन पूजा ने किया। डांडिया कार्यक्रम में पार्षद सोशल मीडिया में पहचान बनाने वाले शुभकरण गहलोत ने भी आकर डांडिया खेले और शुभकरण का सम्मान किया गया। एडवोकेट राजेश श्रीवास्तव, शंकर सेवग,आनन्द शुक्ला, नवीन जांगिड, मुकेश धूड़िया, जसपाल महेता, मनीष जांगिड, तरुण भोजक, हनी सिंह, मनीष भोजक, बाबू भाटी, जसपाल अरोडा, अजय शर्मा, संजीव गौतम, ईश्वर देवडा, हनुमान सेवग, भागी भाटी, परमेश्वर जांगिड ने पृष्प हार, साफा, श्रीफल, शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम संयोजक शंकर सेवग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूध, मावा, मिठाइयों, घी, तेल, मसालों और ड्राई फ्रूट के लिए जाएंगे नमूने, मिलावट पर होगी सख्त कार्रवाई

बीकानेर (खबर आस पास)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त श्री अविचल चतुर्वेदी के निर्देशानुसार प्रदेश में 3 से 16 अक्टूबर तक सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा कोचिंग सेंटरों में 'ईट राइट हेल्दी राजस्थान' अभियान चलाया गया। इसके तहत बीकानेर जिले में भी 50 से अधिक सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा कोचिंग सेंटरों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि अभियान के दौरान 22,300 से अधिक छात्र-छात्राओं को पौष्टिक आहार के महत्व तथा फास्ट फूड से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को स्वस्थ खानपान अपनाने की शपथ भी दिलाई गई।

दीपावली पर मिलावटखोरी के खिलाफ विशेष अभियान

डॉ. साध ने बताया कि नवरात्रि और दीपावली के त्योहारों को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों के निरीक्षण एवं नमूनीकरण का सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए अलग-अलग टीमों का गठन कर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरीक्षण और नमूने लेने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों, मसालों, मिठाइयों, घी, तेल, मावे तथा ड्राई फ्रूट के नमूने प्राथमिकता से लिए जाएंगे।

खाद्य अनुज्ञा पत्र प्रदर्शित करना अनिवार्य

डॉ. साध ने सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को अपने प्रतिष्ठान पर खाद्य अनुज्ञा पत्र अथवा पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। जिन कारोबारकर्ताओं ने अभी तक खाद्य अनुज्ञा पत्र या पंजीकरण नहीं करवाया है, वे तत्काल आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। ऐसा नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत धारा 58 एवं 63 में कार्रवाई की जाएगी। खाद्य निर्माताओं को अपने प्रतिष्ठानों में फूड हैंडलर्स का मेडिकल रिकॉर्ड, पानी की जांच रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल रिपोर्ट तथा खाद्य उत्पादों की पिछले छह माह की जांच रिपोर्ट की फाइल संधारित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सिंथेटिक रंगों और मिलावटी मावे पर होगी सख्ती

खाद्य सुरक्षा विभाग ने फास्ट फूड एवं स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों को किसी भी प्रकार के सिंथेटिक खाद्य रंगों का इस्तेमाल नहीं करने की हिदायत दी है। निर्देशों की अवहेलना करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मावे का कारोबार करने वालों को मिलावटी एवं फफूंद लगा मावा संग्रहित नहीं करने तथा उसका भंडारण एवं विक्रय नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। मावे को अखबार के कागज में रखने पर भी रोक संबंधी हिदायत दी गई है। पनीर, मावा, दूध एवं दूध से बनी मिठाइयों जैसे शीघ्र खराब होने वाले खाद्य पदार्थों का परिवहन कोल्ड चेन बनाए रखते हुए करने को कहा गया है। विभाग ने कचौड़ी, समोसे, पकौड़े आदि खाद्य पदार्थों को अखबार अथवा रंगीन कागज में परोसने से बचने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए हैं।

ये खाद्य सुरक्षा अधिकारी करेंगे कार्रवाई

जिले में खाद्य पदार्थों के निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों श्रवण कुमार वर्मा, भानू प्रताप सिंह, सुरेन्द्र कुमार, राकेश कुमार गोदारा, निशान्त चारण, सोना रानी, ममता सोनगरा, इंद्र प्रकाश ढाका तथा महावीर मेघवाल द्वारा की जाएगी।

साहित्य, संगीत और पत्रकारिता की विभूतियों को राजरत्न सम्मान 24 अक्टूबर को

बीकानेर (खबर आस पास)। साहित्य, संगीत, संस्कृति, चिकित्सा एवं समाजसेवा के लिए संकल्पित संस्थान 'प्रेरणा प्रतिष्ठान बीकानेर' द्वारा 24 अक्टूबर को नगर की तीन विभूतियों को राजरत्न सम्मान अर्पित किया जाएगा। प्रेरणा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रेमनारायण व्यास ने बताया कि शनिवार को शाम 5:15 बजे सुदर्शना कुमारी कला दीर्घा नागरी भण्डार, पत्रकार डॉ.नासिर जैदी, संगीतकार गौरीशंकर सोनी और साहित्यकार पुनीत कुमार रंगा को राजरत्न सम्मान अर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक राजाराम स्वर्णकार ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर के पूर्व सचिव डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, मुख्य अतिथि साहित्यकार राजेन्द्र जोशी एवं विशिष्ट अतिथि लेखक अशफ़ाक कादरी होंगे।